SIES College of Arts, Science and Commerce (Autonomous) ,

Sion (W), Mumbai – 400022

Faculty: Arts

Programme: B.A.

Subject : Hindi, Paper : AEC

Academic Year : 2024-25

SYBA SEM III& IV

(Credit based Semester and Grading System syllabi approved by the Board of Studies in Hindi to be brought into effect from June 2024-25 under NEP)

शिक्षण उद्देश्य:

1. छात्रों को हिंदी भाषा की सामान्य प्रकृति और उपयोग से अवगत कराना।
2. हिंदी में सामाजिक, व्यावसायिक और तकनीकी संचार को बढ़ाना।
3. हिंदी में प्रभावी ढंग से पढ़ने, लिखने, बोलने और सुनने के कौशल का विकास करना।

अधिगम निष्पत्ति :

1. छात्र संचार माध्यम के रूप में हिंदी के प्रयोग से परिचित होंगे।
2. छात्रों को हिंदी में मौखिक और लिखित संचार का व्यावहारिक अनुभव मिलेगा।
3. छात्र औपचारिक और अनौपचारिक दोनों स्थितियों में प्रभावी पारस्परिक संचार के माध्यम के रूप में हिंदी का उपयोग करने में आत्मविश्वास हासिल करेंगे।

4. **सत्र-तृतीय**

क्रम संख्या	पाठ्यक्रम कोड	क्रेडिट	कोर्स का नाम
1			**योग्यता संवर्धन अनिवार्य पाठ्यक्रम (AEC)**
1.1		02	**हिंदी भाषा एवं प्रयोजनमूलक हिंदी**

हिंदी भाषा एवं प्रयोजनमूलक हिंदी (AEC)

क्रमांक	मॉड्यूल (मापांक)	व्याख्यानों की संख्या
१	**इकाई १: पठन कौशल** अ) भाषागत कौशल को विकसित करने के लिए ● भारतीय संस्कृति और शिष्टाचार पर आधारित हिंदी के अनुच्छेदों का वाचन , आकलन और सारांश । ● विज्ञान और तकनीकी पर आधारित हिंदी के अनुच्छेदों का वाचन ,आकलन और सारांश। आ) संस्कृति शिष्टाचार,चिकित्सा, विज्ञान ,तकनीकी इत्यादि क्षेत्रों में दैनिक जीवन में उपयोग में आने वाले हिंदी शब्दों व उनके अंग्रेजी रुप से परिचित कराना।	१०
२	**इकाई २: लेखन कौशल** ● **अनुच्छेद लेखन:** पहले ड्राफ्ट की तैयारी, पुनरीक्षण और स्व-संपादन, वर्तनी के नियम। ● **पत्र लेखन** : सामाजिक पत्र (बधाई, संवेदना, निमंत्रण एवं धन्यवाद पत्र)	१०
३	**इकाइ ३ : श्रवण और सभाषण** दैनिक जीवन से जुड़े अलग-अलग विषयों पर- ● वक्तृत्व कौशल का विकास ● वाद-विवाद कौशल का विकास ।	०५
४	**इकाई ४ : व्याकरण और शब्दावली** ● लिंग ,वचन ● कहावतें और मुहावरे ● वाक्य के भेद (रचना एवं अर्थ के आधार पर)	०५
	कुल	**30**

परीक्षा की प्रस्तावित योजना:

हिंदी भाषा एवं प्रयोजन मूलक हिंदी

परीक्षा की योजना को दो भागों में विभाजित किया जाएगा:

- आंतरिक मूल्यांकन 40% (अर्थात् 20 अंक)

- सत्रांत परीक्षा 60% (अर्थात् 30 अंक)

सत्र - तृतीय

(अ) आंतरिक मूल्यांकन (20 अंक)

विवरण	**अंक**
अनुछेद आधारित बहु-वैकल्पिक प्रश्नावली मूल्यांकन	10
कक्षा कार्य / प्रस्तुतियाँ / समूह चर्चा / अभ्यास साक्षात्कार / बहु-वैकल्पिक प्रश्न	10
कुल	**20**

(ब) सत्रांत परीक्षा (30 अंक)

प्रस्तावित प्रश्न पत्र प्रारूप

अवधि: 1 घंटा	
कुल अंक: 30	
प्रश्न १: अ- पठित /अपठित अनुच्छेदों पर आधारित वस्तुनिष्ठ प्रश्न आ- शब्दावली आधारित प्रश्न।	५ ५
प्रश्न २: दिए गए विषय पर अनुछेद / टिप्पणी लेखन। (विकल्प सहित)	४
प्रश्न ३. पत्र लेखन। (विकल्प सहित)	६
प्रश्न ४: व्याकरण • सूचनानुसार निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए:- अ: लिंग ,वचन परिवर्तन । (कोई तीन) आ: वाक्यों की रचना एवं अर्थ के आधार पर भेद पहचान कर लिखना । (कोई तीन) इ: मुहावरों /कहावतों का अर्थ सहित वाक्यों में प्रयोग । (कोई दो)	३ ३ ४
कुल	**30**

उत्तीर्ण मानदंड: आंतरिक में न्यूनतम 40% (20 में से 8) और सत्रांत परीक्षा में 40% (30 में से 12)

सत्र - चतुर्थ

क्रम संख्या	पाठ्यक्रम कोड	क्रेडिट	कोर्स का नाम
1			**योग्यता संवर्धन अनिवार्य पाठ्यक्रम (AEC)**
1.1		02	**हिंदी भाषा एव प्रयोजनमूलक हिंदी**

हिंदी भाषा एवं प्रयोजनमूलक हिंदी (AEC)

परीक्षा की प्रस्तावित योजना:

क्रमांक	मॉड्यूल (मापांक)	व्याख्यानों की संख्या
१	**इकाई १: पठन कौशल** अ) भाषागत कौशल को विकसित करने के लिए • पर्यावरण संबंधी मुद्दे (जैसे बाढ़, सूखा, आपदाएं, प्रदूषण; प्रसिद्ध पर्यावरण आंदोलन , सरकारी पहल, पारंपरिक ज्ञान) से जुड़े अनुच्छेदों का वाचन एवं आकलन। • व्यापार (जैसे उद्योग, पारंपरिक भारतीय व्यापार प्रथाएं, कृषि का महत्व, भारतीय बाजार और उपभोक्ता व्यवहार, डिजिटलीकरण और ई-कॉमर्स) से जुड़े अनुच्छेदों का वचन और आकलन। आ) पर्यावरण, व्यापार, बैंकिंग ,वाणिज्य, कंप्यूटर ,व्यवसाय आदि से जुड़े हिंदी शब्दों व उनके अंग्रेजी रूप से परिचय।	१०
२	**इकाई २: लेखन कौशल** पत्र लेखन: नौकरी आवेदन पत्र, बायो डाटा (आत्मवृत्त) ई-मेल लेखन: अनुवाद अंग्रेजी से हिंदी तथा हिंदी से अंग्रेजी में	१०
३	**इकाइ ३ : श्रवण और सभाषण** इकाई ३ : दैनिक जीवन से जुड़े अलग-अलग विषयों पर - साक्षात्कार और समूह चर्चा	०५
४	**इकाई ४ :व्याकरण और शब्दावली** ● **क्रिया एवं कारक की परिभाषा और उदाहरण** ● **पर्यायवाची शब्द** ● **विलोम शब्द**	०५
	कुल	**30**

हिंदी भाषा एवं प्रयोजनमूलक हिंदी

परीक्षा की योजना को दो भागों में विभाजित किया जाएगा:

- आंतरिक मूल्यांकन 40% (अर्थात् 20 अंक)
- सत्रांत परीक्षा 60% (अर्थात् 30 अंक)

- **सत्र - चतुर्थ**
- (अ) आंतरिक मूल्यांकन (20 अंक)

विवरण	**अंक**
अनुच्छेद आधारित बहु-वैकल्पिक प्रश्नावली मूल्यांकन	10
कक्षा कार्य / प्रस्तुतियाँ / समूह चर्चा / अभ्यास साक्षात्कार / बहु-वैकल्पिक प्रश्न	10
कुल	**20**

(ब) सत्रांत परीक्षा (30 अंक)

प्रस्तावित प्रश्न पत्र प्रारूप

अवधि: 1 घंटा	
कुल अंक: 30	
प्रश्न १. अ) ई-मेल लेखन ब) शब्दावली आधारित प्रश्न	५ ५
प्रश्न २. अनुवाद अ) अंग्रेजी से हिंदी अथवा ब) हिंदी से अंग्रेजी	४
प्रश्न ३. पत्र लेखन नौकरी आवेदन पत्र और जीवन वृत्त(CV)(विकल्प सहित)	६
प्रश्न ४ व्याकरण सूचना अनुसार निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए:- क्रिया/ कारक की परिभाषा तथा उदाहरण लिखिए ।	३

दिए गए वाक्यों **में से** क्रिया शब्द पहचानिए (**कोई तीन**)	३
पर्यायवाची शब्द लिखिए (कोई **दो**)	२
विलोम शब्द लिखिए. (**कोई दो**)	२
कुल	**30**

उत्तीर्ण मानदंड: आंतरिक में न्यूनतम 40% (20 में से 8) और सत्रांत परीक्षा में40% (30 में से 12)

संदर्भ पुस्तकें:-

•प्रयोजनमूलक हिंदी -विनोद गोदरे ,वाणी प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली ।पहला संस्करण 2001

•व्यवहारिक हिंदी -माधवराव सोनटक्,के जय भारती प्रकाशन, इलाहाबाद ,उत्तर प्रदेश ।संस्करण 2014

•प्रशासनिक शब्दावली- वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग ,राधा कृष्ण पुरम, नई दिल्ली।

• प्रशासनिक हिंदी एवं पत्र लेखन -हरि मोहन, तक्षशिला प्रकाशन ,नई दिल्ली ।संस्करण 2002

•हिंदी व्याकरण -कामता प्रसाद गुरु ,नगरी प्रचारिणी सभा, काशी ।संस्करण संवत 1977

प्रयोजनमूलक हिंदी सिद्धांत और प्रयोग- दंगट झाल्टे , वाणी प्रकाशन ,नई दिल्ली ।संस्करण मार्च 2016

•प्रयोजनमूलक हिंदी और पत्रकारिता- डॉ.दिनेश प्रसाद सिंह ,वाणी प्रकाशन ,नई दिल्ली। संस्करण 2007

•सामान्य भाषा विज्ञान- बाबूराम सक्सेना, प्रयाग हिंदी साहित्य सम्मेलन ,प्रयाग ।संस्करण 1971

अभिनव व्यावहारिक पत्र लेखन- डॉ अनिल सिंह ,ज्योति प्रकाशन, उल्हासनगर-४ महाराष्ट्र। पहला संस्करण 1999

•हिंदी व्याकरण के नवीन क्षितिज- डॉ रविंद्र कुमार पाठक ,भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन ,दिल्ली -3। दूसरा संस्करण 2012

•विविध हिंदी समाचार पत्र एवं पत्रिकाएं।